



उष्णकटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान



TROPICAL FOREST RESEARCH INSTITUTE

(भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद्)

(Indian Council of Forestry Research & Education)

(पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार की एक स्वायत्त परिषद्)

(An Autonomous Body of Ministry of Environment, Forest & Climate Change, Govt. of India)

डाक घर – आर.एफ.आर.सी. मंडला रोड, / P.O. RFRC, Mandla Road, जबलपुर / Jabalpur - 482021 (म.प्र. / (MP) .

हिन्दी कार्यशाला

28 दिसंबर, 2022



इस संस्थान में संघ की राजभाषा नीति एवं सहायक महानिदेशक, मीडिया एवं विस्तार प्रभाग, विस्तार निदेशालय, भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद्, देहरादून के पत्रांक 8-7/2020/स.म.नि.(मी.व.वि.)/भा.वा.अ.शि.प./हि.त्रै.रि./274 दिनांक 30 जुलाई, 2021 में निहित निदेशों के अनुपालन में, इस संस्थान में नवनियुक्त समूह 'ग' वर्ग कर्मचारियों के लिए दिनांक 28 दिसंबर, 2022 को संस्थान की निदेशक श्रीमती नीलू सिंह की अध्यक्षता में एक दिवसीय हिन्दी कार्यशाला का आयोजन किया गया।

हिन्दी कार्यशाला का शुभारंभ निदेशक महोदया के उद्बोधन से हुआ। निदेशक महोदया ने अपने उद्बोधन में हिन्दी कार्यशाला में उपस्थित समूह 'ग' वर्ग कर्मचारियों को इस संस्थान में संघ की राजभाषा नीति एवं नियमों का अनुपालन सुनिश्चित करने तथा संस्थान के शासकीय कामकाज में राजभाषा हिन्दी का प्रयोग करने तथा इसका प्रगामी प्रयोग बढ़ाने के कार्य में अपने वरिष्ठ पदाधिकारी वर्ग को सहायता प्रदान करने हेतु अनुदेश दिया। निदेशक महोदया के उद्बोधन के पश्चात, श्री विजयकुमार डी. काम्बले सहायक निदेशक (राजभाषा) ने भारत सरकार, गृह मंत्रालय, रामभाषा विभाग, नई दिल्ली द्वारा संघ की राजभाषा हिन्दी के कार्यान्वयन कार्य संबंध में जारी वर्ष 2022-23 के वार्षिक कार्यक्रम के बारे में प्रतिभागियों को अवगत कराया। उन्होंने राजभाषा नियमों का अनुपालन सुनिश्चित करने और संस्थान के राजभाषा कार्यान्वयन कार्य में अपना सहयोग देने संबंध में प्रतिभागियों से आग्रह किया।

December 28, 2022





हिन्दी कार्यशाला के उद्घाटन अवसर पर डॉ. ननिता बेरी, वैज्ञानिक-एफ, प्रभागाध्यक्ष वन विस्तार प्रभाग तथा नोडल अधिकारी, श्री नरेन्द्र कुमार श्रृंगी, अवर सचिव, श्री नाहर सिंह मावई आहरण एवं एवं संवितरण अधिकारी उपस्थित रहे।

हिन्दी कार्यशाला के अंत में सभी प्रतिभागियों के प्रति आभार प्रकट करते हुए कार्यशाला का समापन किया गया।





उष्णकटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान



TROPICAL FOREST RESEARCH INSTITUTE

(भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद्)

(Indian Council of Forestry Research & Education)

(पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार की एक स्वायत्त परिषद्)

(An Autonomous Body of Ministry of Environment, Forest & Climate Change, Govt. of India)

डाक घर – आर.एफ.आर.सी. मंडला रोड, / P.O. RFRC, Mandla Road, जबलपुर / Jabalpur - 482021 (म.प्र. / (MP) .

HINDI WORKSHOP

28th December, 2022



In Compliance with the official language policy of the Union & the directions contained in the Assistant Director General, Media and Extension division, Directorate of Extension, Indian council of Forestry Research and education, Deharadun's letter No. 8-7/2020/ADG(M&E) /ICFRE/Hindi QPR/274 dated 30th July,2021, A one-day Hindi workshop was organized for newly recruited Group 'C' staff in this institute on 28th December, 2022 under the chairmanship of Smt. Neelu Singh, Director of this Institute.

The Hindi workshop was started with an inaugural address of the Director. In her inaugural address, the Director instructed the Group 'C' staff present in the Hindi workshop to ensure compliance of the official language policy and rules of the Union in this institute and increase the progressive use of the official language Hindi in their day-to-day official work. After the director's inaugural address, Shri Vijaykumar D. Kamble, Assistant Director (Official Language) made the participants aware about the Annual program 2022-23 issued by the Government of India, Ministry of Home Affairs, Department of Official Language, New Dehli to do the official work of the Union in Hindi. He urged the participants to ensure the compliance of the official language rule and extend their cooperation in the official language implementation work of the institute.

December 28, 2022





Kumar Shringi, Under Secretary, were present while inauguration of the Hindi workshop.

At the end of the Hindi workshop, the workshop was concluded by expressing gratitude towards all the participants.





December 28, 2022

